मान्नार की खाडी में टूटिकोरिन तट पर थेर्मोकॉल से निर्मित मत्स्यन यान और उनकी आर्थिकता

पिछले कुछ समय से टूटिकोरिन तट पर थेर्मोकॉल के अपशिष्टों और शीटों को छोटी मत्स्यन नावों और विभिन्न आकार और आकृति के प्लवों के निर्माण के लिए उपयोग करता आ रहा है। आकार के अनुसार ये प्लव (पोया) और थेर्मोकॉल नाव के रूप में जाने जाते है।

वेम्बार के कुछ मछुआरों ने विभिन्न आकार और आकृति के थेर्मोकोल अपशिष्टों से, सिन्तेटिक पैंकिग शीटों से निर्मित बोरियों में प्लव वस्तुओं का निर्माण किया। थेर्मोकॉल टुकडों को नाइलॉन ट्वाइन से सिलाई करके कभी कभी अच्छे आकार के प्लवों का भी निर्माण होता है। कुल रचना के ऊपरी भाग को छोडकर शेष सारा भाग नाइलॉन जाल या पॉलिसाक से आवृत किया जाता है।

एक मत्स्यन नाव के रूप में थेर्मोकॉल प्लवों की उपयुक्तता से प्रेरित होकर नाव के तल और पार्श्वों के निर्माण बेकार थेर्मोकोल को छोडकर 10-15 से मी के थेर्मोकॉल शीटों से किया जाता है। आवश्यक घनत्व के आधार पर शीटों की संख्या बदल जाएगी। शीटों को सिलाई करके जोड देता है। तल और पार्श्व लकडी या बाँस की रीपरों से ढाँचित होते है जिनको नाइलॉन रस्सी से प्रबल रूप से बांधकर मज़बूत कर दिया जाता है। कीलों का उपयोग नहीं किया जाता है। निर्माण के बाद ढाँचे को नाइलॉन जाल से ओढ दिया जाता है। आज थेर्मोकॉल नावों को *सेइल* या *ओर* से चलाने का प्रबन्धन भी किया गया है।

पत्रव्यवहार

टी.एस. बालसुब्रमण्यन, ई.एम. अब्दुसमद और के.के. जोशी

सी एम एफ आर आइ टूटिकोरिन अनुसंधान केंद्र, टूटिकोरिन

साधारणतया थेर्मोकॉल प्लवों का उपयोग स्क्विड या कटिल मछलियों के हस्तचयन के लिए किया जाता है। इसके पहले हस्तचयन के लिए 2.3 मी लंबाई और 0.5 मी चौडाई के छोटे कटामरीनों का उपयोग होता था। एक मोटोरीकृत वल्लम 8-10 छोटे कट्टामरीनों को मत्स्यन तल ले जाता है। तल में पहुँचने के बाद प्रत्येक कट्टामरीन को एक या दो व्यक्तियों के साथ, मुख्य नाव से 1-3 कि मी दूर के क्षेत्रों में तैरकर कटमरैन से स्क्विड और कटिल मछलियों के लिए जिग का प्रचालन करते है। एक सहयोगी प्रचालन होने के कारण कम समय में विस्तृत क्षेत्र का मत्स्यन करना आसान हो जाता है। मत्स्यन के बाद ये कटामरीन मुख्य नाव के साथ जोडकर वापस तट पहुँच जाते है। अतः इस तरीके से उच्च पकड और आय प्राप्त होते है। आज वेम्बार में छोटे कटामरीनों के स्थान पर थेर्मोकॉल नावों/प्लवों का खूब प्रचालन होता है। कम लागत और दो वर्षों तक के जीवन काल से प्रेरित होकर टूटिकोरिन के अन्य गाँवों में भी थेर्मोकॉल नाव मशहूर होती जा रही है। स्कूल में पढनेवाले छोटे लडके भी स्कूल के बाद और छुट्टियों में थेर्मोकॉल नावों से जिग और छोटे गिल जालों का प्रचालन करते हैं और आय भी कमाते है।

टूटिकोरिन तट से प्रचालित थेर्मोकॉल नावों की संख्या और उनकी आर्थिक शक्यता जानने के लिए एक प्राथमिक सर्वेक्षण चलाया था, जिसका विवरण नावों की लंबाई, चौडाई, ऊँचाई, भार, लागत, उपयोगित संभार के प्रकार और पकडी गई मछलियों के विवरण के साथ सारणी-1 में प्रस्तुत किया गया है।

ये नाव भी कटामरीनों की तरह पुलिन में अवतरण करने वाली हैं। इसकी विशेषता यह है कि इसका प्रचालन एक ही

सारणी 1. टूटिकोरिन तट से प्रचालित थेर्मोकॉल पोया और नावों की संख्या और अन्य विवरण

मत्स्यन गाँव	एककों की संख्या	लंबाई (मी)	चौडाई (मी)	ऊँचाई (से मी)	भार (कि ग्रा)	लागत (रु.)	उपयोगित संभार	पकडी गयी संपदाएं	मुख्य पकड	दैनिक आय (रु.)
बेम्बार	85	2.3-3.5	0.5-0.75	22. -24	8-15	1000-1500	काँटा जिग कर्कट जाल महाचिंगट जाल	कटिल मछली स्क्विड कर्कट महाचिंगट अन्य मछलियाँ	शीर्ष-पाद	100-1000
वेल्लाप्पाट्टी	9	2.5-4	0.5-0.9	20-22	6-12	200-2500	काँटा जिग कर्कट जाल	कटिल मछली स्क्विड कर्कट	कर्कट	100-500
टूटिकोरिन प्रमुख पोताश्रय	5	2.8-4.2	0.3-0.6	22-24	10-15	1000-2000	काँटा कर्कट जाल डाइविंग	कटिल मछली स्क्विड कर्कट झींगा	कर्कट और चांक	100-400
पष्य कायल	3	2-3.5	0.5-0.75	20-25	8-15	800-1200	हैन्ड हुक कर्कट जाल झींगा गिल जाल	स्क्विड कर्कट	झींगा	100-300
पुन्नक्कायल	4	2.5-3.5	0.5-0.75	22-25	8-15	1000-1500	हैन्ड हुक गिल जाल	कर्कट झींगा सिगानिड्स शिंगटी	शिंगटियाँ	100-500
कायल पट्टनम	3	2.5	0.5-0.75	22-25	10-15	100-1500	हैन्ड हुक, गिल जाल	कटिल मछली स्क्विड कर्कट महाचिंगट अन्य मछलियाँ	महाचिंगट कर्कट	100-700

आदमी से किया जा सकता है। 10 कि मी तक के अपतटीय जल क्षेत्रों में इनका प्रचालन किया जाता है और इस क्षेत्र के उच्च ज्वारीय तरंगों और धाराओं की ओर ये सक्षम रहती है। मानवीय प्रयास के सिवा इनके प्रचालन में और किसी भी प्रकार का प्रचालन लागत शामिल नहीं है। हाल में वेम्बार के अपतटीय जलक्षेत्रों में स्थापित की जानेवाली कृत्रिम भित्तियों के क्षेत्र में हान्ड हुक प्रचालन के लिए ये खूब अनुकूल साबित हो जाएंगे।